हिंदी-विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-110007

चार वर्षीय हिंदी स्नातक पाठ्यक्रम

Four Year U.G. Programme in Hindi

परीक्षा-योजना तथा पाठ्यक्रम

जुलाई, 2013 से प्रारंभ

विद्वत् परिषद की 07 एवं 08 मई, 2013 की बैठक में पारित

पाठ्यक्रम-प्रस्तावना

शिक्षा की गुणवत्ता एवं स्तरीयता को ध्यान में रखते हुए हिंदी-विभाग ने जुलाई, 2013 के सत्र से आठ सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले चार-वर्षीय नवीन पाठ्यक्रम का निर्माण किया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में जुलाई, 2013 के सत्र से लागू किए जाने वाले चार-वर्षीय हिंदी (स्नातक स्तर) के आठ सेमेस्टर की परीक्षा-प्रणाली इस प्रकार होगी :

सेमेस्टर-1 : जुलाई, 2013-दिसंबर, 2013

सेमेस्टर-2 : जनवरी, 2014-मई, 2014

सेमेस्टर-3 : जुलाई, 2014-दिसंबर, 2014

सेमेस्टर-4 : जनवरी, 2015-मई, 2015

सेमेस्टर-5 : जुलाई, 2015-दिसंबर, 2015

सेमेस्टर-6 : जनवरी, 2016-मई, 2016

सेमेस्टर-7 : जुलाई, 2016-दिसम्बर, 2016

सेमेस्टर-8 : जनवरी, 2017-मई, 2017

चार वर्षीय हिंदी स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी विभाग ने तीन स्तरों पर पाठ्यक्रम-निर्माण किया है। वे हैं - 1. डी.सी.-I हिंदी पाठ्यक्रम, 2. डी.सी.-II हिंदी पाठ्यक्रम, 3. अनुप्रयुक्त हिंदी।

डी.सी.-I हिंदी पाठ्यक्रम मुख्य पाठ्यक्रम होगा। इसके अन्तर्गत 20 प्रश्न-पत्र निर्धारित किए गए हैं। इन में से 16 प्रश्नपत्र हिंदी भाषा और साहित्य के, दो प्रश्नपत्र प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के, तथा दो प्रश्नपत्र शोध-प्रविधि एवं शोध-कार्य से सम्बन्धित होंगे। मुख्य विषय हिंदी के प्रश्नपत्रों की सामग्री के निर्धारण के समय शिक्षा और ज्ञान के बदलते परिदृश्य को सामने रखा गया है। इस क्रम में पारंपरिक एवं शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ नयी पीढ़ी के लिए उपयोगी नए विषयों का समावेश भी किया गया है। यह परिवर्तन पाठ-सामग्री के निर्धारण में तो लक्षित होता ही है, लोक साहित्य, भारतीय साहित्य और विश्व-साहित्य जैसे नए प्रश्नपत्रों के समावेश में भी इसे देखा जा सकता है। चौथे वर्ष में दो प्रश्नपत्र अनुसंधान से संबंधित होंगे, जिससे विद्यार्थी नवाचारों के लिए उन्मुख हो सकेगा। इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य को पूरी समग्रता में समाविष्ट किया गया है। साथ ही हिंदी का प्रयोजनपरक पक्ष मजबूत हो, इस बात को ध्यान में रखकर प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया-संबंधी प्रश्नपत्रों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। भारतीय साहित्य और विश्व-साहित्य का प्रश्नपत्र विद्यार्थी को भारतीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य के प्रति सजग बनाएगा, ऐसी आशा है। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए चार लेक्चर प्रति सप्ताह का प्रावधान होगा तथा एक लेक्चर विद्यार्थी की प्रस्तुति से संबंधित होगा।

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-1 हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

प्रश्नपत्र-2 हिंदी कहानी

सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-3 आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य

प्रश्नपत्र-4 हिंदी उपन्यास

सेमेस्टर-3

प्रश्नपत्र-5 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रश्नपत्र-6 आधुनिक हिंदी कविता-1

सेमेस्टर-4

प्रश्नपत्र-7 रीतिकालीन काव्य

प्रश्नपत्र-8 भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

सेमेस्टर-5

प्रश्नपत्र-9 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

प्रश्नपत्र-10 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

प्रश्नपत्र-11 हिंदी पत्रकारिता : प्रिंट मीडिया

सेमेस्टर-6

प्रश्नपत्र-12 साहित्य-चिंतन-1

प्रश्नपत्र-13 हिंदी नाटक एवं एकांकी

प्रश्नपत्र-14 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सिनेमा

सेमेस्टर-7

प्रश्नपत्र-15 साहित्य-चिंतन-2

प्रश्नपत्र-16 भारतीय और विश्व-साहित्य

प्रश्नपत्र-17 शोध-प्रविधि

सेमेस्टर-8

प्रश्नपत्र-18 आधुनिक हिंदी कविता-2

प्रश्नपत्र-19 लोक-साहित्य

प्रश्नपत्र-20 लघु शोध-प्रबंध/प्रोजेक्ट

डी.सी.-II हिंदी पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है, जिनका मुख्य विषय (डी.सी.-I) हिंदी नहीं होगा। इसके अन्तर्गत 06 प्रश्नपत्र हैं। यह विकल्प चुनने वाला विद्यार्थी डी.सी.-II हिंदी पाठ्यक्रम के या तो 06 प्रश्न-पत्र पढ़ेगा या विश्वविद्यालय के नियमानुसार 03 प्रश्नपत्र डी.सी.-II हिंदी पाठ्यक्रम के पढ़ेगा तथा 03 किसी अन्य विषय के डी.सी.-II पाठ्यक्रम के ले सकेगा। डी.सी.-II हिन्दी पाठ्यक्रम के 06 प्रश्नपत्र पढ़ने वाला विद्यार्थी हिंदी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के योग्य होगा। डी.सी.-II के प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए चार लेक्चर प्रति सप्ताह का प्रावधान होगा तथा एक लेक्चर विद्यार्थी की प्रस्तुति से सम्बन्धित होगा।

विभाग द्वारा हिंदी के **अनुप्रयुक्त पाठ्यक्रम** के अन्तर्गत 04 प्रश्नपत्र निर्मित किए गये हैं। जिन्हें डी.सी.-I हिंदी पाठ्यक्रम लेने वाले छात्र तथा किसी भी अन्य विषय के डी.सी.-I पाठ्यक्रम के छात्र अध्ययन के लिए चुन सकते हैं। इन प्रश्नपत्रों का अध्ययन विद्यार्थियों को व्यावहारिक क्षेत्र में रोजगार के लिए सक्षम बनाएगा। इन प्रश्नपत्रों के लिए दो लेक्चर प्रतिसप्ताह का प्रावधान होगा तथा एक लेक्चर विद्यार्थी की प्रस्तुति से सम्बन्धित होगा।

नोट : ट्यूटोरियल, आंतरिक मूल्यांकन की व्यवस्था और अंकों का विभाजन विश्वविद्यालय के निर्णयानुसार होगा।

विशेष : पाठ्यक्रम में शामिल कुछ रचनाओं के शुद्ध पाठ हेतु उन रचनाओं के प्रकाशन की व्यवस्था विश्वविद्यालय स्तर पर हो, ऐसी पाठ्यक्रम समिति की अपेक्षा है।

हिंदी-विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-110007

अनुशासन –1
हिंदी पाठ्यक्रम

DC-I
Hindi Course

हिंदी-विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-110007

चार वर्षीय हिंदी स्नातक पाठ्यक्रम

सेमेस्टर–1

प्रश्नपत्र–1

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(रीतिकाल तक)

75 अंक

1. हिन्दी साहित्य : इतिहास-लेखन

- हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा का परिचय (आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा)
- हिन्दी-साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल)

2. आदिकाल

- आदिकाल का परिवेश
- धार्मिक साहित्य (सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य)
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य : अमीर खुसरो एवं विद्यापति
- अनिवार्य पाठ: आ. रामचंद्र शुक्ल : 'हिंदी साहित्य का इतिहास' से : काल-विभाग और आदिकाल का प्रकरण 1 तथा प्रकरण 2

3. भक्तिकाल

- भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल के प्रेरणास्रोत : दर्शन (अद्वैत, विशिष्टाद्वैत, शुद्धाद्वैत), सिद्ध-नाथ पंथ, लोक जीवन
- भक्तिकाल की धाराएँ - निर्गुण और सगुण (संतकाव्य : कबीर, सूफीकाव्य: जायसी, कृष्ण काव्य: सूरदास, मीरा, राम काव्य : तुलसी)
- अन्य धारा - रहीम
- भक्तिकालीन काव्यमूल्य और उनकी प्रासंगिकता
- अनिवार्य पाठ : आ. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : 'हिंदी साहित्य की भूमिका' से 'भारतीय चिंता का स्वाभाविक विकास'

4. रीतिकाल

- रीतिकाल का सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश
- रीतिकाल की प्रमुख काव्य-धाराएँ : रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य
- रीतिकाल : श्रृंगारिकता, प्रेम और सौन्दर्य, नीति, वीरता
- रीतिकाव्य में नारी
- अनिवार्य पाठ : नगेन्द्र : 'रीतिकाव्य की भूमिका' से 'रीतिकाव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि'

<u>प्रश्नपत्र का अंक विभाजन</u>

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 : 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का अदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
5. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
6. भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार : सं. गोपेश्वर सिंह

प्रश्नपत्र–2

हिंदी कहानी

75 अंक

इकाई एक

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात – प्रेमचंद
3. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद

इकाई दो

4. हार की जीत – सुदर्शन
5. पाजेब – जैनेन्द्र कुमार
6. तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई तीन

7. मिस पाल – मोहन राकेश
8. परिन्दे – निर्मल वर्मा
9. दोपहर का भोजन – अमरकांत

इकाई चार

10. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
11. जंगल जातकम् – काशीनाथ सिंह
12. पिता – ज्ञानरंजन

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. संकलित निबंध से 'आज की छोटी कहानी' – नलिन विलोचन शर्मा
2. 'एक दुनिया समानान्तर' का एक अंश पृ. सं. 17 से पृ. 24 – राजेन्द्र यादव
3. 'कहानी : नई कहानी' का एक अंश – 'आज की हिन्दी कहानी' – नामवर सिंह
4. नई कहानी की भूमिका' का एक अंश – पृ. सं. 9 से पृ. 18 – कमलेश्वर

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
2. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
3. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह
4. एक दुनिया समानांतर : राजेन्द्र यादव
5. हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव
6. अपनी बात : भीष्म साहनी
7. नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
8. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
9. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
10. साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
11. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
12. कथावीथी : हरिमोहन शर्मा और राजेन्द्र गौतम
13. हिंदी कहानी का पहला दशक : सं. भवदेव पाण्डेय
14. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश
15. हमसफरनामा : स्वयं प्रकाश
16. नलिन विलोचन शर्मा (मोनोग्राफ) : गोपेश्वर सिंह
17. संकलित निबंध : नलिन विलोचन शर्मा
18. समय और साहित्य : विजय मोहन सिंह
19. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चौधरी

सेमेस्टर–2

प्रश्नपत्र–3

आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य

75 अंक

इकाई एक : (1) अमीर खुसरो (2) कुतुबन
इकाई दो : कबीर
इकाई तीन : (1) सूरदास (2) मीरां
इकाई चार : तुलसीदास

इकाई–1

अमीर खुसरो – डॉ. परमानंद पांचाल, हिंदी बुक सेंटर, 4/5 बी. आसिफ अली रोड, नई दिल्ली कव्वाली – पृ.77 – छापा – तिलक तज दीनी रे। गज़ल – 'वियोग', गीत पृ 80–81 (4.2) काहे को व्याही विदेस रे, हम को दी है परदेश, लखि बाबुल मोरे।, 7 दोहे पृ. 86 (1) गोरी सोवे सेज पर (2) देख मैं अपने हाल को – 8 (4) चकवा चकवी दो जाने 9 (4) खुसरो दरिया प्रेम का (5) खुसरो बाजी प्रेम की

कुतुबन : मृगावती

दर्शन खंड– 42 से 47 छंद
शृंगार खंड 7 – 48 से 55 छंद

इकाई–2

कबीर – कबीर ग्रंथावली, सम्पादक – डॉ. श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।)

पद – पद संख्या : 1, 11, 16, 23, 27
साखी– गुरुदेव–कौ अंग 3, 11
विरह कौ अंग 2, 3, 4, 5, 6, 10, 12,
परचा कौ अंग 12, 13, 14
ज्ञान विरह कौ अंग 4, 5, 7
रस कौ अंग 1, 4
सहज कौ अंग 1
भेष कौ अंग 5
मध्य कौ अंग 7

इकाई–3

सूरदास – सूरसागर सार : सं. – धीरेन्द्र वर्मा
प्र. साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण (1977)

पद संख्या :

i विनय तथा भक्ति	:	2, 23
ii गोकुल लीला	:	7, 18, 24,
iii राधाकृष्ण	:	1, 2,
iv उद्धव संदेश	:	62, 77, ,95, 136, 144, 155, 159, 186

मीराबाई की पदावली

सं. – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
हिंदी साहित्य सम्मेलन : प्रयाग
इक्कीसवाँ संस्करण (2102 ई.)

पद – पद सं. 2, 3, 5, 14, 17, 22, 36, 70, 73, 158

इकाई–4

तुलसीदास : कवितावली – केवल बाल काण्ड
गीताप्रेस, गोरखपुर

<u>प्रश्न पत्र का अंक विभाजन</u>

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
3. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
4. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
5. हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
2. कबीर – सं. विजयेंद्र स्नातक
3. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
4. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
5. तुलसी–काव्य–मीमांसा – उदयभानु सिंह
6. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक – श्याम मनोहर पाण्डेय
7. सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
8. मीराँ का काव्य – भगवानदास तिवारी
9. मीरा : जीवन और काव्य – सी.एल. प्रभात
10. आलोचना का नया पाठ : गोपेश्वर सिंह
11. मीरा का काव्य : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
12. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य : कैलाश नारायण तिवारी
13. मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन : सं. पल्लव
14. मध्यकालीन कृष्ण 'काव्य की सौंदर्यचेतना' : पूरनचंद टंडन

प्रश्नपत्र–4

हिंदी उपन्यास

75 अंक

1 प्रेमचंद	:	गोदान
2 धर्मवीर भारती	:	सूरज का सातवाँ घोड़ा
3 मन्नू भंडारी	:	आपका बंटी

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3 =	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2 =	18
टिप्पणी		8+7 =	15
			75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. प्रेमचन्द : उपन्यास सम्बन्धी निबन्ध ('विविध प्रसंग भाग–3')
2. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
3. उपन्यास और लोकजीवन : रॉल्फ फॉक्स
4. हिंदी उपन्यास : सं. भीष्म साहनी भगवतीप्रसाद निदारिया
5. कथा समय में तीन हमसफर : निर्मला जैन

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा : रामदरश मिश्र
2. प्रेमचंद : एक विवेचन : इंद्रनाथ मदान
3. उपन्यास का उदय : इयान वॉट
4. उपन्यास के पहलू : ई.एम.फोर्स्टर
5. विविध प्रसंग : प्रेमचंद
6. कलम का सिपाही : अमृत राय
7. कथा विवेचना और गद्य शिल्प : रामविलास शर्मा
8. आस्था और सौंदर्य : रामविलास शर्मा
9. प्रेमचंद : सं. डॉ. सत्येन्द्र
10. सृजनशीलता का संकट : नित्यानंद तिवारी
11. हिंदी उपन्यास : सं. नामवर सिंह
12. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय

सेमेस्टर–3

प्रश्नपत्र–5

हिंदी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)

75 अंक

1 मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ नवजागरण और भारतेंदु मंडल : मुद्रण का आरंभ और नए रचनारूपों का विकास (निबंध, नाटक, उपन्यास, पत्रकारिता आदि का विकास)

- ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली
  महावीर प्रसाद द्विवेदी और राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी की भूमिका
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण–चेतना का उत्कर्ष

2 स्वच्छंदतावाद, छायावाद और प्रगतिवाद

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियां

3 प्रयोगवाद, नयी कविता और उसके बाद की कविता

- प्रयोगवाद और नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियां
- साठोत्तरी कविता

4 उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध और आलोचना का विकास

- स्त्री लेखन एवं दलित लेखन का विकास।

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 – 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
2. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
3. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सहायक पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य : नंददुलारे वाजपेयी
2. छायावाद : नामवर सिंह
3. तारसप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण) और दूसरा सप्तक की भूमिकाएँ : सं. अज्ञेय
4. हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास - राजेन्द्र गौतम
5. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
7. हिंदी नाटक : नई परख – रमेश गौतम (संपा.)
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
9. भारतेन्दु युगीन नाटक : संदर्भ–सापेक्षता – रमेश गौतम

प्रश्नपत्र–6

आधुनिक हिंदी कविता–1

75 अंक

इकाई : एक

1. मैथिलीशरण गुप्त

इकाई : दो

2. जयशंकर प्रसाद

इकाई : तीन

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई : चार

4. रामधारी सिंह दिनकर
5. सुभद्रा कुमारी चौहान

रचनाएँ

1. मैथिलीशरण गुप्त — यशोधरा (चुने हुए अंश)
   - मंगलाचरण
   - सिद्धार्थ
   - महाभिनिष्क्रमण
   - सिद्धि हेतु स्वामी
   - सखी वे मुझसे कहकर जाते.....
     5, 6, 7, 8, 9
   - अब कठोर, हो वज्रादपि.....
     7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14
   - रे मन, आज परीक्षा तेरी
   - मानिनि, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान
   - दीन न हो गोपी
2. जयशंकर प्रसाद — उठ–उठ री लघु, मधुप गुनगुना कर, तुम्हारी आँखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, अरी वरुणा की शांत कछार, ले चल मुझे भुलावा देकर, बीती विभावरी जाग री, अशोक की चिंता
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला — संध्यासुन्दरी, बादल राग : छह, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधो न नाव, स्नेह निर्झर, वर दे, वीणा–वादिनी वर दे! मैं अकेला/देखता हूँ आ रही मेरे जीवन की सांध्य बेला, दुरित दूर करो नाथ, अशरण हूँ गहो हाथ
4. रामधारी सिंह दिनकर — 'रश्मिरथी' : तीसरे सर्ग से कृष्ण–कर्ण संवाद

5. सुभद्राकुमारी चौहान — जलियांवाला बाग में बसन्त, ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो बसन्त, मुरझाया फूल, मेरे पथिक, झांसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका,

<u>प्रश्न पत्र का अंक विभाजन</u>

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या-आधारित प्रश्न	-	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन – नगेंद्र
2. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य–साधना – रामविलास शर्मा
4. युगचारण दिनकर – सावित्री सिन्हा

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी स्वछंदतावादी काव्यधारा – प्रेमशंकर
2. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल
3. जयशंकर प्रसाद – प्रेमशंकर
4. अनकहा निराला – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
8. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
9. निराला काव्य की छवियाँ – नंदकिशोर नवल
10. निराला : कृति से साक्षात्कार : नंदकिशोर नवल
11. रामधारी सिंह दिनकर – विजयेंद्र नारायण सिंह
12. छायावाद – नामवर सिंह
13. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – आ. जानकीवल्लभ शास्त्री
14. आधुनिक हिंदी कविता में बिंब–विधान – केदारनाथ सिंह
15. छायावादी कवियों का सौंदर्य–विधान – सूर्यप्रसाद दीक्षित
16. दृष्टिपात – राजेन्द्र गौतम
17. 'कल्पना' का 'उर्वशी'–विवाद – सं. गोपेश्वर सिंह
18. कवि निराला – नंददुलारे वाजपेयी
19. उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा

सेमेस्टर–4

प्रश्नपत्र–7
रीतिकालीन काव्य

75 अंक

इकाई एक : 1. देव 2. मतिराम 20 छंद
इकाई दो : बिहारी 21 दोहे
इकाई तीन : घनानन्द 20 छंद
इकाई चार : 1. भूषण 2. गिरिधर कविराय 20 छंद

इकाई–1

(क) देव –

रीतिकाव्य संग्रह
डॉ. जगदीश गुप्त
साहित्य भवन, प्रा.लि.
प्रथम संस्करण–1961 ई.
छंद संख्या : 2, 3, 5, 8, 21, 34, 35, 43, 48, 61

(ख) मतिराम –

रीतिकाव्य संग्रह

छंद संख्या : 7, 10, 13, 14, 16, 44, 49, 50, 55, 59

इकाई–2

बिहारी – बिहारी रत्नाकर
श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' बी.ए.
लोक भारती प्रकाशन
इलाहाबाद
संस्करण–2004

दोहा संख्या– 1, 32, 38, 42, 62, 94, 103, 121, 127, 128, 130, 137, 143, 180, 192, 300, 317, 347, 363, 388, 677

इकाई–3

घनानंद–

रीतिकाव्य संग्रह
डॉ. जगदीश गुप्त
साहित्य भवन, प्रा.लि.
प्रथम संस्करण–1961 ई.

पद– छंद संख्या – 2, 3, 4, 6, 12, 14, 16, 17, 19, 20, 23, 24, 27, 28, 30, 41, 43, 44, 48, 50

इकाई–4

(क) **भूषण–**

रीतिकाव्य संग्रह
डॉ. जगदीश गुप्त
साहित्य भवन प्रा. लि.
प्रथम संस्करण–1961 ई.
छंद संख्या : 4, 5, 6, 8, 17, 21, 22, 27, 33, 34

(ख) **गिरिधर कविराय–**

गिरिधर कविराय ग्रंथावली
सं. – डॉ. किशोरी लाल गुप्त
मधु प्रकाशन, 42, ताशकंद मार्ग
इलाहाबाद
प्रथम संस्करण–1977
छंद संख्या – 11, 16, 36, 70, 71, 72, 99, 109, 328, 330

<u>प्रश्न पत्र का अंक विभाजन</u>

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. देव और उनकी कविता – नगेंद्र
2. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) – सं. किशोरीलाल गुप्त
5. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेंद्र
2. कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीरप्रसाद सिन्हा
3. भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
4. हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
5. हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, भाग–6 – सं. नगेंद्र
7. द्विजदेव और उनका काव्य – अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
8. घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. सनेह को मारग – इमरै बंघा
10. आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
11. रसलीन (मोनोग्राफ) – कैलाश नारायण तिवारी
12. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन

प्रश्नपत्र–8
भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

75 अंक

इकाई : एक

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति और अभिलक्षण
   भाषा की उपयोगिता
   भाषाविज्ञान की अध्ययन-पद्धतियाँ
2. हिंदी भाषा की स्वनिम व्यवस्था
   स्वर और व्यंजन : परिभाषा एवं वर्गीकरण

इकाई : दो

3. शब्द की अवधारणा
   शब्द और पद में अंतर
   हिंदी का शब्द-विधान (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी)
   पारिभाषिक शब्द की अवधारणा

इकाई : तीन

4. वाक्य की परिभाषा
   वाक्य के प्रकार (रचना एवं अर्थ की दृष्टि से)
   हिंदी की वाक्य-संरचना अन्विति, पदक्रम
5. अर्थ की अवधारणा
   शब्द और अर्थ का संबंध
   अर्थ-परिवर्तन के कारण व दिशाएँ
   प्रोक्ति और पाठ की अवधारणा

इकाई : चार

6. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास
7. समाज भाषाविज्ञान : भाषा और समाज का अंत:संबंध
   भाषा और अस्मिता
   भाषा और वर्ग
   भाषा और लिंग
   भाषा और संस्कृति

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 – 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. भाषाविज्ञान की भूमिका	–	देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. सामान्य भाषा विज्ञान	–	वैश्ना नारंग
3. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. भाषा और समाज	–	रामविलास शर्मा
5. हिन्दी शब्दानुशासन	–	किशोरीदास वाजपेयी

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. सामान्य भाषाविज्ञान	–	बाबूराम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान	–	भोलानाथ तिवारी
3. हिंदीभाषा का इतिहास	–	धीरेन्द्र वर्मा
4. समाजभाषा–विज्ञान	–	भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी व्याकरण का इतिहास	–	अनन्त चौधरी
6. हिन्दी वर्तनी की समस्याएँ	–	अनन्त चौधरी

सेमेस्टर–5

प्रश्नपत्र–9

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

75 अंक

1. निबंध

बालकृष्ण भट्ट – जुबान
बालमुकुंद गुप्त – एक दुराशा, राजकमल प्रकाशन, 1988
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता, अध्यापक पूर्ण सिंह निबंधावली, सं. रामअवध शास्त्री, कंचन पब्लिकेशन, 198/58 रमेश मार्केट, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली–6 (1993)
रामचंद्र शुक्ल – लोभ और प्रीति, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि

2. निबंध

हजारीप्रसाद द्विवेदी – देवदारु
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
हरिशंकर परसाई – वैष्णव की फिसलन
पूरनचंद जोशी – बदलता भारतीय समाज

3 जीवनी/आत्मकथा

रामप्रसाद बिस्मिल – आत्मकथा, आत्माराम एंड संस
रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्य साधना' भाग–1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय

4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा वृतांत

संस्मरण : अज्ञेय के साथ – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से
रेखाचित्र : सुभान खाँ – रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से
यात्रा वृतांत : 'सौंदर्य की नदी नर्मदा' (अमृतलाल बेगड़) से दो अध्याय (i) केली से शूल पाणेश्वर, (ii) शूल पाणेश्वर

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना–कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9 x 2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1.हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2.गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल भसीन
3.हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4.हिंदी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप–विश्लेषण – विनीता अग्रवाल

अन्य सहायक पुस्तकें :

1.हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
2.भारतेंदु युग – रामविलास शर्मा
3.छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
4.आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
5.साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
6.निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. – निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा

प्रश्नपत्र–10
अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

75 अंक

1. **विमर्शों की सैद्धांतिकी :**

(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर
(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
रैडिकल, मॉर्क्सवादी, उदारवादी आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता
(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन
जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

2. **विमर्शमूलक कथा साहित्य :** 1. ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम, 2. जयप्रकाश कर्दम – नौ बार, 3. हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या : 158–167 4. मोहनदास नैमिशराय : मुक्तिपर्व उपन्यास का अंश (पृष्ठ 24 से पृष्ठ 33 तक) 5. सुमित्रा कुमारी सिन्हा – व्यक्तित्व की भूख, 6. होमवती देवी – स्वप्न भंग, 7. शिवरानी देवी – हत्या, 8. नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

3. **विमर्शमूलक कविता :**
क. दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), कालीचरण सनेही (दलित विमर्श), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)
ख. स्त्री कविता : 1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा, 2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा' 3. सविता सिंह : 'मैं किसकी औरत हूँ?' 4. शुभा शर्मा : 'औरत के हाथ में न्याय' :

4. **विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :**

1. प्रभा खेतान, पृष्ठ 28–42 : अन्या से अनन्या तक
2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. मीरा कांत : नेपथ्य राग (नाटक)
4. महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न'
5. डॉ. धर्मवीर : 'अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर'
6. कौशल्या वैसन्त्री : दोहरा अभिशाप 1 से 20 पृष्ठ

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. सिमोन द बोउवा – स्त्री उपेक्षिता
2. गुलामगीरी – ज्योतिबा फुले

3. अंबेडकर रचनावली – भाग–1
4. प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा – सुधा सिंह
2. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ – सुधा सिंह
3. स्त्री कथा – संपादन सुधा सिंह
4. मूक नायक, बहिष्कृत भारत – अंबेडकर
5. शिकंजे का दर्द – सुशीला टांकभौंरे
6. जूठन – ओमप्रकाश बाल्मीकि
7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरण कुमार लिंबाले
8. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश बाल्मीकि
9. दलित आंदोलन का इतिहास – मोहनदास नैमिषराय
10. मेरा बचपन मेरे कंधों पर – श्यौराज सिंह 'बेचैन'
11. स्त्रीत्व का मानचित्र – श्यौराज सिंह 'बेचैन'
12. नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता
13. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ – रजतरानी मीनू
14. औरत होने की सजा – अरविंद जैन
15. आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

प्रश्नपत्र-11
हिंदी पत्रकारिता : प्रिंट मीडिया

75 अंक

1. हिंदी प्रेस-विकास और इतिहास, सुधारवाद (1826-1850), राष्ट्रवाद (1850-1947), जनसरोकारधर्मी पत्रकारिता (1947-1977), नवउदारवाद (80 के दशक से अब तक)। (स्वाधीनता पूर्व और पश्चात् के विभिन्न समाचार पत्रों जैसे मतवाला, चांद, माधुरी, नवजीवन, अम्बेडकर इन इंडिया, हिमायती आदि के आधार पर)
2. i स्वाधीनता पूर्व हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता : स्वरूप एवं विकास (प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं जैसे कविवचनसुधा, मतवाला, चांद, माधुरी, आदि के आधार पर)
   ii स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रेस : आर्थिक ढाँचा, विज्ञापन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक सरोकार
3. पीत पत्रकारिता पेड न्यूज़, आधुनिक समय में वैकल्पिक पत्रकारिता, प्रिंटमीडिया का अन्य रूप - टैब्लायड पेपर, सांध्य अखबार, घरेलू अखबार, प्रेस कानून और प्रेस परिषद,, साप्ताहिक एवं पाक्षिक पत्रिकाएँ, (व्यावसायिक और गैर व्यावसायिक साहित्यिक)
4. पत्रकारिता की भाषा: स्वतंत्रतापूर्व एवं पश्चात् (समाचार-सुधावर्षण, उचित वक्ता, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, बालाबोधिनी, धर्मयुग, दिनमान, हिंदी ब्लीट्स, जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, इंडिया टुडे आदि)
   मुद्रित माध्यम के विविध रूप - समाचार, रिपोर्टिंग, फीचर, संपादकीय, पाठक के पत्र

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 :– 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र - जबरीमल्ल पारख
2. मीडिया समग्र, भाग 1 और 4 - जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. फिल्में कैसे बनती हैं - ख्वाजा अहमद अब्बास
4. टेलीविजन - रेमण्ड विलियम्स

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. दूरदर्शन : दशा और दिशा - सुधीश पचौरी
2. डेरेक बोस - ब्रांड बॉलीवुड
3. कुमुद शर्मा - भूमंडलीकरण और मीडिया
4. कुमुद शर्मा - समाचार बाजार की नैतिकता

सेमेस्टर–6

प्रश्नपत्र–12

साहित्य-चिंतन-1

75 अंक

I. भारतीय काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा और विभिन्न संप्रदाय

रस, अलंकार, रीति

(इन संप्रदायों के आचार्य, उनके काल एवं उनकी स्थापनाओं का सामान्य परिचय)

II ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य

(इन संप्रदायों के आचार्य, उनके काल एवं उनकी स्थापनाओं का सामान्य परिचय)

III –काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन

–शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

–रस का स्वरूप, रस के अंग, रस के भेद

–अलंकार : अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, विरोधाभास, रूपक, विभावना, उत्प्रेक्षा, असंगति, अतिशयोक्ति।

–छंद : दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, हरिगीतिका, मंदाक्रांता, द्रुतविलंबित, इंद्रवज्रा, सवैया, घनाक्षरी।

IV विविध विधाओं और साहित्य रूपों का तात्त्विक विवेचन

प्रबंधकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध आदि

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 – 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. काव्य दर्पण – रामदहिन मिश्र
2. काव्य मीमांसा – ती.न. श्रीकण्ठैय्या
3. रस–सिद्धांत – नगेन्द्र

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. साहित्य–सहचर – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी
3. काव्यतत्त्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
4. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय

5. साहित्य–सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
6. काव्य के तत्त्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
8. साधाारणीकरण और काव्यास्वाद – राजेन्द्र गौतम
9. साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
10. भारतीय आलोचनाशास्त्र – राजवंश सहाय 'हीरा'
11. रस मीमांसा – आचार्य रामचंद शुक्ल

प्रश्नपत्र–13
हिन्दी नाटक एवं एकांकी

75 अंक

इकाई एक : भारत दुर्दशा – भारतेन्दु
इकाई दो : ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
इकाई तीन : बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
इकाई चार : स्ट्राइक – भुवनेश्वर
सूखी डाली – उपेन्द्रनाथ अश्क
शायद – मोहन राकेश
नायक, खलनायक, विदूषक – सुरेन्द्र वर्मा

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या–आधारित प्रश्न	–	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन (संपा.)
2. नाटककार भारतेंदु की रंग–परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा
3. हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
4. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी के प्रतीक नाटक – रमेश गौतम
2. हिन्दी नाटकों में विद्रोह की परम्परा – किरणचंद शर्मा
3. प्रसाद के नाटक : देश और बहुआयामिता – रमेश गौतम
4. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही
5. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
6. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
7. नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
8. रंगानुभव के बहुरंग – रमेश गौतम
9. नई रंगचेतना और बकरी – कुसुम लता
10. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेंद्र
11. हिंदी नाटक : नई परख –सं. रमेश गौतम

प्रश्नपत्र–14
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी सिनेमा

75 अंक

1. रेडियो : सामान्य परिचय भारतीय परिप्रेक्ष्य (स्वाधीनता पूर्व एवं पश्चात्) पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग के रूप में रेडियो, रेडियो विधाएँ – सामाचार, सामाचार मूल्य, साक्षात्कार, नाटक, वार्ता, कमेंट्री, विविध भारती, निजी रेडियो चैनल, कम्यूनिटी रेडियो।
2. टेलीविजन : सामान्य परिचय (श्वेत-श्याम से लेकर रंगीन तक, डिश और केबल तकनीक का आगमन एवं प्रभाव-टेलीविजन विधाएँ – समाचार, धारावाहिक, विज्ञापन, लाइव शो, किसी लोकप्रिय धारावाहिक की विवेचना।
3. कम्प्यूटर एवं इंटरनेट – कम्प्यूटर : सामान्य परिचय इंटरनेट का आगमन एवं सूचना क्रांति, सोशल मीडिया : अभिव्यक्ति के नए चैनल, इंटरनेट पर साहित्य, मीडिया की नैतिकता, सोशल मीडिया की स्वच्छंदता।
4. हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय, पटकथा, संवाद और दृश्य, व्यावसायिक सिनेमा, कला सिनेमा, साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा।

   फिल्म समीक्षा :

आरंभ से 1947 :	राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास (1936)
1947 से 1970 :	मदर इंडिया, दो आँखे बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
1970 से 1990 :	गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।
1990 से अद्यतन :	तारे ज़मीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पानसिंह तोमर।

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 – 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न – कृष्ण बिहारी मिश्र
2. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका – जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम – पीटर गोल्डिंग
4. पत्रकारिता की विविध विधाएँ – निशांत सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. सूचना समजा – अर्माण्ड मेतलाई
2. भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जन सम्पर्क प्रबंधन – कुमुद शर्मा
4. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा

सेमेस्टर–7
प्रश्नपत्र–15

साहित्य–चिंतन–2

75 अंक

इकाई –एक : पाश्चात्य साहित्य चिंतन

–अरस्तू	–	त्रासदी विवेचन
–लोंजाइनस	–	उदात्त सिद्धांत
–वर्ड्सवर्थ	–	स्वच्छंदतावाद एवं काव्य भाषा

इकाई –दो : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय

1. आधुनिकता और आधुनिकबोध
2. काव्यानुभूति
3 रूप और वस्तु
4. बिंब, प्रतीक और मिथक
5. विसंगति और विडंबना
6. फैंटेसी

इकाई –तीन : प्रमुख आलोचकों के पाठों का अध्ययन

1. प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – काव्य में लोकमंगल
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ

इकाई –चार : प्रमुख आलाचकों के पाठों का अध्ययन

4. रामविलास शर्मा – परम्परा का मूल्यांकन
5. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्यकार की सामाजिक चेतना
6. नामवर सिंह – व्यापकता और गहराई

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 :– 7 और 8 अंक	15
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1.साहित्य सिद्धान्त	–	रामअवध द्विवेदी
2.साहित्य सिद्धान्त	–	रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
3.पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	देवेन्द्रनाथ शर्मा
4.हिंदी साहित्य कोश	-	सं. धीरेन्द्र वर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें :

1.चिन्तामणि	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.आस्था के चरण	–	नगेंद्र
3.कविता के नये प्रतिमान	–	नामवर सिंह
4.पाश्चात्य साहित्य-चिंतन	-	निर्मला जैन
5.हिंदी आलोचना के बीज शब्द	-	बच्चन सिंह
6.एक साहित्यिक की डायरी	-	मुक्तिबोध
7.आलोचना से आगे	-	सुधीश पचौरी
8.मिथकीय अवधारणा और यथार्थ	–	रमेश गौतम
9.हिंदी गद्य, विन्यास और विकास	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. दूसरी परंपरा की खोज	–	नामवर सिंह
11. हिंदी आलोचना	–	विश्वनाथ त्रिपाठी
12. आलोचना का नया पाठ	–	गोपेश्वर सिंह
13. संकलित निबंध	–	नलिन विलोचन शर्मा
14. हिंदी आलोचना का विकास	–	नंदकिशोर नवल
15. आस्था और सौन्दर्य	–	रामविलास शर्मा

प्रश्नपत्र–16

भारतीय और विश्व-साहित्य

75 अंक

भारतीय साहित्य

इकाई : एक

1. कालिदास	–	अभिज्ञान शाकुंतलम् (अंक-4) मोहन राकेश द्वारा अनूदित
2. गालिब	–	हज़ारों ख्वाहिशें
3. सीताकांत महापात्र	–	कालाहाँडी (कविता)
4. इंदिरा गोस्वामी	–	एक अविस्मरणीय यात्रा

इकाई : दो

5. यू.आर. अनंतमूर्ति	–	भव (उपन्यास)
6. टैगोर	–	छुट्टियां
7. तक्षी शंकर पिल्लै	–	खून का रिश्ता (मलयालम कहानियाँ), भारतीय शिखर कथा कोश, सं. कमलेश्वर
8. दया पवार	–	'अछूत' प्रारंभ से पृष्ठ 40 तक राधाकृष्ण पेपर बैक्स से

विश्व साहित्य

इकाई : तीन

1. उमर खय्याम	–	रुबाइयाँ : बच्चन रचनावली, खण्ड-4 से 11, 14, 15, 21, 22, 23, 29, 30, 31, 32
2. शेक्सपीयर	–	'हेमलेट' तीसरा अंक : अनुवादक हरिवंश राय बच्चन
3. पाब्लो नेरूदा	–	रुको, ओ पृथ्वी (कविता), और कुछ नहीं

इकाई : चार

4. मेक्सिम गोर्की	–	बाज़ का गीत (कहानी)
5. मोपासां	–	शिमौन के पापा (कहानी)
6. विश्वाव शिम्बोर्स्का (कविता)	–	बीतती सदी में आत्मग्लानि के हक में

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या-आधारित प्रश्न	-	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. आज का भारतीय साहित्य	-	प्रभाकर माचवे
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास	-	नगेन्द्र
3. भारतीय साहित्य कोश	-	नगेन्द्र
4. उर्दू भाषा और साहित्य	-	फिराक गोरखपुरी

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति	-	सं. विमलेशकांति वर्मा
2. बांग्ला साहित्य का इतिहास	-	सुकुमार सेन, अनु. निर्मला जैन
3. मलयालम साहित्य का इतिहास	-	पी.के. परमेश्वरन नायर
4. भारतीय साहित्य	-	दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
5. अखिल भारतीय साहित्य विविध आयाम	-	सं. सतीशकुमार रेहरा
6. भारतीय भाषा साहित्य	-	विभूति मिश्र
7. आधुनिक पोलिश कविताएँ	–	हरिमोहन शर्मा

प्रश्नपत्र–17

शोध प्रविधि

75 अंक

खंड–एक

शोध प्रविधि – स्वरूप परिचय
शोध से अभिप्राय – स्वरूप एवं विशेषताएँ
हिंदी में शोध का आरंभ

खंड–दो

शोध के क्षेत्र
शोध के प्रकार
साहित्यिक शोध की विशेषताएँ

खंड–तीन

शोध और विषय–चयन
शोध और तथ्य–विश्लेषण
शोध और निष्कर्ष

खंड–चार

शोध–संबंधी समस्याएँ
एक अच्छे शोधार्थी के गुण
हिंदी में शोध की दशा और दिशा

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

आधारित प्रश्न	–	4x15	=	60
टिप्पणी	–	8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. अनुसंधान का स्वरूप – सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – सावित्री सिन्हा/विजयेन्द्र स्नातक
3. शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
2. राइटिंग इन सोसाइटी – रेमंड विलियम्स
3. संरचनात्मक शैली विज्ञान – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर – डायना लौरेंसन/एलेन स्विंगवुड

सेमेस्टर–8
प्रश्नपत्र–18
आधुनिक हिंदी कविता–2

75 अंक

इकाई : एक

1. स. ही. वा. अज्ञेय

इकाई : दो

2. नागार्जुन

इकाई : तीन

3. रघुवीर सहाय
4. धूमिल

इकाई : चार

5. शम्भुनाथ सिंह
6. अरुण कमल

रचनाएं

1. स. ही. वा. अज्ञेय
   यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, दूर्वांचल, नंदा देवी, सांप, आप, कांगड़े की छोरियां, उधार, नया कवि : आत्म स्वीकार, सोन मछली
2. नागार्जुन
   तीनों बंदर बापू के, शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद, कालिदास सच–सच बतलाना, प्रतिहिंसा ही स्थायी भाव है मेरी कविता का, खुरदरे पैर, गुलाबी चूड़ियां, तन गई रीढ़,
3. रघुवीर सहाय
   अधिनायक, रामदास, औरत की जिंदगी, आप की हंसी, दो अर्थों का भय, सड़क पर एक रपट, ठंड से मृत्यु,
4. धूमिल
   पटकथा,
5. शम्भुनाथ सिंह
   पगडंडी, देश हैं हम राजधानी नहीं, उत्खनन, पास आना मना दूर जाना मना, मन का आकाश उड़ा जा रहा, कीलों में जड़ दिया गया हूं, बौने दिन, आदमकद खबरें,
6. अरुण कमल
   नए इलाके में, उधर के चोर, अपनी केवल धार, प्रधान की अनिद्रा, देव भाषा, बस एक निशान छूट रहा था, शायर की कब्र,

<u>प्रश्न पत्र का अंक विभाजन</u>

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या-आधारित प्रश्न	-	9x2	=	18
टिप्पणी		8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ तिवारी
4. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. समकालीन काव्य–यात्रा – नन्दकिशोर नवल
2. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
3. समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर
4. उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
5. सुन्दर का स्वप्न – अपूर्वानन्द
6. समकालीनता और साहित्य – राजेश जोशी
7. आधुनिक कविता–यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा
9. हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास – राजेंद्र गौतम
10. हिंदी नवगीत : युगीन संदर्भ – रामनारायण पटेल
11. नयी कविता और उसका मूल्यांकन – सुरेशचंद्र सहल
12. आलोचना का नया पाठ : गोपेश्वर सिंह
13. नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकांत वर्मा
14. छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही

प्रश्नपत्र–19
लोक-साहित्य

75 अंक

निर्देश : सैद्धांतिक बिंदुओं का सामान्य परिचय अपेक्षित है। लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ और लोकनाट्य के प्रदर्शनों को सुनने-देखने का अवसर छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी होगा।

1. **लोक साहित्य की अवधारणा :**
लोक साहित्य का सामान्य परिचय ; लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का संबंध ; लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति का संबंध ; लोकसाहित्य के विविध रूप - लोकगीत, लोककथा, लोक गाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ-बुझौवल और मुहावरे ; हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियों और उनके क्षेत्रों का परिचय ; लोकसाहित्य और समाज।

2. **लोकगीत :** सामान्य परिचय, वाचिक और मुद्रित

(क) संस्कार गीत

सोहर भोजपुरी : भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी - बिहारी राष्ट्रभाषा परिषद, पृ.8, गीत संख्या-4

सोहर अवधी - हिंदी प्रदेश के लोकगीत - कृष्ण देव उपाध्याय - पृ. 110, 111 साहित्य भवन, इलाहाबाद

यज्ञोपवीत - कुमाउंनी - भारतीय लोक साहित्य ; परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा, पृ. 88-89

विवाह - भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य विद्या सिन्हा, पृ. 116

छत्तीसगढ़ी - भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य : विद्या सिन्हा, पृ. 103

हरियाणवी - हरियाणा की लोक संस्कृति : डॉ. विष्णुदत्त भारद्वाज, पृ. 173

(ख) ऋतुसंबंधी गीत

1. **बारहमासा - राजस्थानी** हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृ 231
2. **होली - ब्रज** - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्ण देव उपाध्याय, पृ. 205
3. **फागुन हरियाणी** - हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृ 231
4. **चैती भोजपुरी** - वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्या निवास मिश्र, पृ 51
5. **कजली - भोजुपरी** - वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्या निवास मिश्र, पृ 49

(ग) श्रमसंबंधी गीत

कटनी के गीत, अवधी 2 **गीत** - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, पृ. 140, 141

हरियाणी : ईख निराई

विविध गीतः घुघुति - कुमाउंनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृ 802, 803

मंगलगीत - गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत, पं. रा. न. त्रिपाठी, पृ 801-802

3. लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोकगाथाओं आल्हा और लोरिक की सामान्य चर्चा

मैथिली लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 10, 11

सोलहवाँ भाग

मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461-462

अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187-188

भोजपुरी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 92

4.लोक नाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, उदाहरण- रामलीला; मालवा का नाच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला; बिहार-विदेसिया; हरियाणा-सांग

(क)पाठः संक्षिप्त पद्मावत सांग रागनी संख्या

1,3,6,7,8,13,14,17,18,19,28,34,37,38,43,58,60,67. (लखमीचंद ग्रंथावली, सं. प्रो. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़)

(ख)बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

(ग)पंडवानी : तीजन बाई

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या	-			
आधारित प्रश्न	-	9x2	=	18
टिप्पणी	-	8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार

अन्य सहायक पुस्तकें

1. रसमंजरी – सुचिता रामदीन– महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
2. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, सोलहवाँ भाग
3. वाचिक कविता : भोजपुरी : प. विद्यानिवास मिश्र
4. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
5. कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी
6. लखमीचंद का काव्य-वैभव : हरिचन्द्र बंधु
7. सूत्रधार : संजीव
8. हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन : हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
9. मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

प्रश्नपत्र–20

75 अंक

शोध प्रबंध/प्रोजेक्ट